भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.02.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 748 का उत्तर

रेलवे में कर्मचारियों की भर्ती

748. श्री एम.वी.वी. सत्यनारायण:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान रेलवे द्वारा भर्ती किए गए नए कर्मचारियों का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या इस प्रकार भर्ती किए गए नए कर्मचारियों की संख्या में समय के साथ कमी आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या रेलवे अगले कुछ वर्षों में अपने कार्यबल में कटौती करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

रेलवे में कर्मचारियों की भर्ती के संबंध में दिनांक 07.02.2024 को लोक सभा में श्री एम.वी.वी. सत्यनारायण के अतारांकित प्रश्न सं. 748 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): भारतीय रेल के आकार, स्थानिक विस्तार और परिचालन की महत्ता को देखते हुए इसमें पदों का रिक्त होना और उन्हें भरा जाना एक सतत प्रक्रिया है। उन रिक्तियों को परिचालनिक आवश्यकताओं के अनुसार रेलवे द्वारा मुख्यत: भर्ती एजेंसियों को मांगपत्र देकर भरी जाती हैं। इस प्रक्रिया के दौरान, पद रिक्त हो सकते हैं और इन्हें बाद में भरा जाता है।

हाल ही में 1.39 लाख रिक्तियों को भरने के लिए दो बड़ी परीक्षाएं आयोजित की गई थी जिसमें 2.37 करोड़ से अधिक अभ्यर्थी उपस्थित हुए। केंद्रीकृत रोजगार सूचना 01/2019 (गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां) के लिए पहले चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा 1.26 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों के लिए 28.12.2020 से 31.07.2021 तक 7 चरणों में 15 भाषाओं में 211 शहरों के 726 केंद्रों पर 68 दिनों में 133 शिफ्टों में आयोजित की गयी थी। इसी प्रकार केंद्रीकृत रोजगार सूचना आरआरसी 01/2019 (लेवल 1) के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा 1.11 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों के लिए 17.08.2022 से 11.10.2022 तक 5 चरणों में 15 भाषाओं में 191 शहरों के 551 केंद्रों पर 33 दिनों में 99 शिफ्टों में आयोजित की गयी थी।

पिछले पाँच वर्षों (अर्थात 2018-2019 से 2022-2023) और चालू वर्ष (अर्थात् 2023-2024 में 31.12.2023 तक) के दौरान, 3,02,550 (अनंतिम) अभ्यर्थियों को विभिन्न समूह 'ग' पदों (स्तर- 01 और संरक्षा संबंधित पदों सहित) के लिए पैनलबद्ध किया गया है।

कार्यभार की बदलती स्थितियों, नई प्रौद्योगिकियों की शुरूआत, कार्य प्रणाली, नई परिसंपत्तियों के सृजन आदि को ध्यान में रखते हुए जनशक्ति नियोजन में स्वीकृत पदों की संख्या की निरंतर समीक्षा करने की आवश्यकता होती है। रेलों में विभिन्न गतिविधियों के लिए नियमित रूप से कार्य अध्ययन किए जाते हैं। यह कार्य भारतीय रेल को अपने मानव संसाधनों का सबसे कुशल और उत्पादक तरीके से उपयोग करने में सक्षम बनाता है।

****

s.k